web: www.nyaysakshi.com

पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल

पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 11 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 189

अंतरर्राष्ट्रीय

ट्रंप का बड़ा फैसला : 90 दिनों के लिए अधिकांश देशों पर आयात शुल्क स्थगित, चीन को राहत नहीं

न्यूयॉर्क । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक अहम घोषणा करते हुए 90 दिनों के लिए दुनिया के अधिकांश देशों पर लगे आयात शुल्क (टैरिफ) को स्थगित करने का फैसला किया है। हालांकि, इस राहत में चीन को शामिल नहीं किया गया है। ट्रंप ने चीन पर तुरंत प्रभाव से टैरिफ को 104त्न से बढ़ाकर 125% कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि 75 से अधिक देशों ने अमेरिका के साथ व्यापारिक मुद्दों पर सहयोग किया और टकराव का रुख नहीं अपनाया, इसलिए उन्हें यह राहत दी गई है। इस अवधि में एक सीमित 'रेसिप्रोकल टैरिफ' लागू रहेगा, जिसकी दर 10त्न होगी। चीन को टैरिफ राहत से बाहर रखते हुए ट्रंप ने कहा, चीन ने विश्व बाजार का सम्मान नहीं किया, इसलिए सख्त कदम उठाने जरूरी हो गए। चीन समझदार है, वे सौदा करना चाहते हैं लेकिन उन्हें तरीका नहीं आता। ट्रंप पर हाल ही में रिपब्लिकन नेताओं और व्यापारिक संगठनों का दबाव था कि वह टैरिफ में राहत दें, जिससे वैश्विक मंदी और ट्रेड वॉर की आशंका को कम किया जा सके। बताया गया है कि अमेरिका के बॉन्ड मार्केट में गिरावट और वित्त मंत्रालय की चेतावनी के बाद यह फैसला लिया गया। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने ट्रंप को स्थिति की गंभीरता से अवगत कराया, जिसके बाद यह निर्णय सामने आया।

काठमांडू में शिवराज सिंह चौहान ने पशुपतिनाथ मंदिर के किए दर्शन

काठमांडू । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान इन दिनों नेपाल की राजधानी काठमांडू में हैं। वह बिम्सटेक (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने आए थे। बैठक खत्म होने के बाद गुरुवार को वह अपने परिवार के साथ विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचे और भगवान शिव के दर्शन किए। पशुपतिनाथ मंदिर में शिवराज सिंह चौहान ने पूजा-अर्चना की और वहां मौजूद श्रद्धालुओं से मुलाकात की। उनकी श्रद्धालुओं के साथ गर्मजोशी भरी बातचीत हुई, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। मंदिर में उनके इस आत्मीय व्यवहार की चर्चा रही। परिवार के साथ दर्शन करना उनके लिए खास मौका था, क्योंकि पशुपतिनाथ मंदिर हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थानों में से एक माना जाता है। शिवराज सिंह चौहान ने बिम्सटेक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस बैठक में बंगाल की खाड़ी से जुड़े देशों (भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार और थाईलैंड) के बीच कृषि क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई। बैठक के बाद उन्होंने नेपाल में कुछ समय परिवार के साथ बिताने का फैसला किया। पशुपतिनाथ मंदिर का दौरा उनके निजी और धार्मिक जीवन का हिस्सा रहा। मंदिर में दर्शन के दौरान उन्होंने भगवान पशुपतिनाथ से देश और किसानों की खुशहाली की प्रार्थना की। श्रद्धालुओं से बात करते हुए उन्होंने अपनी सादगी और सहजता दिखाई, जो उनकी पहचान रही है। इस दौरे से न सिर्फ उनकी धार्मिक आस्था झलकी, बल्कि नेपाल और भारत के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव भी सामने आया। इससे पहले केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान की नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और नेपाल के बीच घनिष्ठ व मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि की और कृषि के क्षेत्र में भारत-नेपाल सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

30 अप्रैल से होगी चारधाम यात्रा की शुरुआत, अलर्ट पर सरकार, एडवाइजरी की गई जारी

देहरादून । आरएनएस

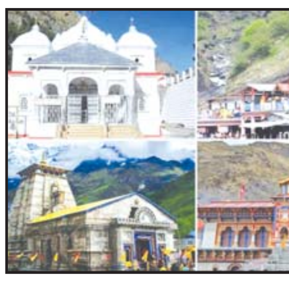

उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा इस वर्ष 30 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। हर साल की तरह इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचने का अनुमान है। यात्रा को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए शासन और प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

इसी कड़ी में परिवहन विभाग ने चारधाम यात्रा के लिए एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की है, जिसमें यात्रा मार्गों पर वाहन संचालन से लेकर चालकों के लिए विशेष नियम शामिल किए गए हैं। परिवहन विभाग की एडवाइजरी के अनुसार, पर्वतीय मार्गों पर रात के समय व्यवसायिक वाहनों के संचालन पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। रात 10 से सुबह 4 बजे तक कोई भी व्यवसायिक वाहन चारधाम यात्रा मार्गों पर नहीं चल सकेगा। यह निर्णय पहाड़ी रास्तों पर रात के समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) चक्रपाणि मिश्रा ने बताया कि पहाड़ी मार्गों पर ड्राइविंग एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसमें चालकों की दक्षता और सावधानी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस नियम का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

एडवाइजरी में व्यवसायिक वाहन चालकों के लिए कई अन्य महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। चालकों को विशेष प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र, फिटनेस सर्टिफिकेट और वाहन के सभी दस्तावेज पूरे रखने होंगे। इसके अलावा, चालकों की वेशभूषा, व्यवहार और स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। एआरटीओ चक्रपाणि मिश्रा ने बताया कि यात्रा के दौरान चालकों को चप्पल या सैंडल पहनकर वाहन चलाने की अनुमति नहीं होगी। इसके बजाय उन्हें बंद जूते या मजबूत ट्रैकिंग शूज पहनना अनिवार्य होगा। यह नियम इसलिए लागू किया गया है ताकि पहाड़ी रास्तों पर वाहन संचालन के दौरान चालकों को सुरक्षा मिल सके। यात्रा के दौरान वाहनों की तकनीकी स्थिति पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। सभी व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस सर्टिफिकेट और प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र होना जरूरी है। इसके साथ ही चालकों को नशे से दूर रहने और यात्रियों के साथ शिष्ट व्यवहार करने की हिदायत दी गई है। परिवहन विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों और वाहन मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चारधाम यात्रा उत्तराखंड के लिए धार्मिक और आर्थिक दोनों दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। हर साल इस यात्रा से राज्य को करोड़ों रुपए का राजस्व प्राप्त होता है और हजारों लोगों को रोजगार मिलता है। प्रशासन का दावा है कि इस बार यात्रा को पहले से अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। यात्रियों से भी अपील की गई है कि वे एडवाइजरी का पालन करें और यात्रा के दौरान प्रशासन का सहयोग करें। यात्रा की तैयारियों के तहत सडक़ मरम्मत, स्वास्थ्य सुविधाओं और ठहरने की व्यवस्था पर भी काम तेजी से चल रहा है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से यात्रा से पहले पंजीकरण कराने और मौसम की जानकारी लेने की सलाह दी है।

पंजाब में धमाके के बाद पाकिस्तान से सटे बॉर्डर पर रेड अलर्ट, इलाका सील

कलानौर । आरएनएस

गुरदासपुर की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ की 58 बटालियन की बीओपी चौंतरा के इलाके में कंटीली तार के पार देश विरोधी तत्वों की ओर से लगाई गई माइन में से एक बम फटने से बुधवार को बीएसएफ का जवान सोहन सिंह जख्मी हो गया था। जिसके बाद अब रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है।

कंटीली तार के पार हुए बम धमाके के बाद बीएसएफ ने वीरवार को पाकिस्तान के साथ सटी पूरी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा बम ब्लास्ट वाले इलाके को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। बीएसएफ की ओर से खोजी कुत्तों की मदद से इलाके की जांच की जा रही है। इसके अलावा इलाके में मिले दो अन्य बम भी डिफ्यूज कर दिए गए हैं। फिलहाल ब्लास्ट वाले इलाके में किसानों के जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। गुरदासपुर से सटी पाकिस्तान सीमा पर सारा दिन सर्च अभियान के कारण किसी भी किसान को कंटीली तार के पार नहीं जाने दिया गया। बीएसएफ के सेक्टर गुरदासपुर के तहत आती विभिन्न बटालियनों के अधिकारियों की ओर से कंटीली तार के पार पकी गेहूं की फसल को देखने जाने वाले किसानों व मजदूरों की गहनता के साथ चेकिंग की जा रही है।

बुधवार रात को कंटीली तार के पार भारत-पाक आईबी के पास तीन बम पाए जाने के कारण बीएसएफ और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि बीएसएफ जवानों के बयान पर पुलिस थाना दोरांगला में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। वहीं बीएसएफ के सूत्रों के अनुसार ये बम पाकिस्तान में बैठे देश विरोधी तत्वों ने लगाए थे। इसे लेकर विभिन्न टीमें बनाकर हर पहलु से मामले की जांच की जा रही है। उधर, बीएसएफ के अधिकारी इस मामले में ज्यादा जानकारी देने से इंकार कर रहे हैं।

आतंकी तहव्वुर राणा को कसाब की तरह बिरयानी देने की जरूरत नहीं', 26/11 अटैक के हीरो बोले- तुरंत फांसी दो

नई दिल्ली । आरएनएस

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया जा रहा है। उसके भारत में कदम रखने से पहले लोगों की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई है। 26/11 अटैक के एक हीरो ने कहा, 'भारत को उसे आतंकी कसाब की तरह खास जेल, बिरयानी या और सुविधाएं देने की कोई जरूरत नहीं है। ये बात मोहम्मद तौफीक ने बोली है। मुंबई में एक 'चाय वाले' हैं, जिन्हें 'छोटू' उर्फ मोहम्मद तौफीक के नाम से जाना जाता है। उन्हें मुंबई आतंकी हमले 26/11 के हीरो के तौर पर पहचान मिली है। मोहम्मद तौफीक ने हमलों में कई लोगों की जान बचाई थी। मोहम्मद तौफीक ने कहा कि भारत को तहव्वुर राणा को जेल में खास सेल, बिरयानी और वैसी सुविधाएं देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने मांग की कि आतंकवादियों से निपटने के लिए अलग कानून होने चाहिए। ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि उन्हें 2-3 महीने में फांसी हो जाए। बता दें राणा पर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों में शामिल होने का आरोप है। हमले में सैकड़ों निर्दोष लोग मारे गए थे। अब भारत में तहव्वुर पर मुकदमा चलाया जाएगा। सात अप्रैल को संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने तहव्वुर राणा की भारत में उसके प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका को खारिज कर दिया। राणा ने 20 मार्च, 2025 को मुख्य न्यायाधीश रॉबर्ट्स के समक्ष एक आपातकालीन आवेदन दायर किया, जिसमें उसके प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग की गई। सात अप्रैल को जारी सुप्रीम कोर्ट के आदेश में कहा गया, 'मुख्य न्यायाधीश को संबोधित और न्यायालय को संदर्भित स्थगन के लिए आवेदन अस्वीकार किया जाता है। 26 नवंबर 2008 को हुआ था आतंकी हमला मुंबई अपराध शाखा के अनुसार, राणा के खिलाफ आपराधिक साजिश का मामला नवंबर 2008 के घातक हमलों के बाद दिल्ली में एनआईए द्वारा दर्ज किया गया था, जिसमें 160 से अधिक लोग मारे गए थे।

हीरा कारखाने के वाटर कूलर में मिलाई सल्फास, पानी पीने से 150 कारीगरों की बिगड़ी तबीयत

सूरत । आरएनएस

गुजरात के सूरत शहर में स्थित एक हीरा कारखाने में उस समय हडक़ंप मच गया, जब वहां काम करने वाले 150 से अधिक कारीगरों की अचानक तबीयत खराब हो गई। यह घटना कापोदरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अनभ जेम्स नामक डायमंड फैक्ट्री में हुई, जहां कारीगर रोजाना की तरह हीरा तराशने का काम कर रहे थे।

पुलिस और कारखाना प्रबंधन के अनुसार, कुछ कारीगरों ने फैक्ट्री में लगे वाटर कूलर से पानी पिया, जिसके बाद उन्हें चक्कर आने और उल्टी की शिकायत शुरू हुई। अन्य कर्मचारियों ने पानी से असामान्य गंध आने की बात प्रबंधन को बताई, जिसके बाद यह मामला गंभीर रूप लेता चला गया। घटना की सूचना मिलते ही कापोदरा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक तफ्तीश में वाटर कूलर के पास सल्फास का एक पैकेट बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि पैकेट का कवर फटा हुआ था, हालांकि अंदर का पैकेट अभी सुरक्षित था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कारखाना मालिकों ने तत्काल सभी कर्मचारियों को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल पहुंचाया। कुल 104 लोगों को किरण अस्पताल और 14 को डायमंड अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से दो कारीगरों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया है, जबकि बाकी को मामूली शिकायतों के चलते जनरल वार्ड में भर्ती किया गया है।

पुलिस ने इस घटना को हत्या की कोशिश मानते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1) के तहत मामला दर्ज किया है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) वीआर पटेल ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं, जो अलग-अलग पहलुओं से तफ्तीश कर रही हैं।

उन्होंने कहा, हम सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस का सहारा लेकर यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर पानी में सल्फास कैसे और किसने मिलाया। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या यह घटना दुर्घटनावश हुई या इसके पीछे कोई साजिश थी।

अस्पताल में भर्ती कुछ कारीगरों ने बताया कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि पानी में कुछ मिला हुआ है। एक कर्मचारी ने कहा, हमने दोपहर में पानी पिया और उसके बाद अचानक चक्कर आने लगे। फिर हमें अस्पताल लाया गया। फिलहाल सभी मरीजों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है।

यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन हैं सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाले हथियार : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली । आरएनएस

यूक्रेन-रूस संघर्ष में ड्रोन एक नए सैन्य हथियार के रूप में उभरे हैं। सैनिकों और उपकरणों की अधिकांश हानि पारंपरिक तोपखाने या बख्तरबंद वाहनों के कारण नहीं, बल्कि ड्रोन के कारण हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यह बात कही। वह वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेस स्टॉफ कॉलेज (डीएसएससी) में भारत और मित्र देशों के सशस्त्र बल अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य उभरती हुई तकनीकें प्रतिरोध और युद्ध में क्रांति ला रही हैं। युद्ध के मैदानों में तकनीकी नवाचार की शक्ति विस्मयकारी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए स्वदेशी रक्षा इकोसिस्टम का निर्माण एक रणनीतिक आवश्यकता है। इसी तरह 'लो अर्थ ऑर्बिट' में अंतरिक्ष क्षमताएं सैन्य इंटेलिजेंस को नए स्तर पर ले जा रही हैं। यह निरंतर निगरानी, स्थिति निर्धारण, लक्ष्य निर्धारण और संचार को बदल रही हैं, इस प्रकार युद्ध को एक नए उच्च स्तर पर ले जा रही हैं।

रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि दुनिया ग्रे जोन और हाइब्रिड युद्ध के युग में है। जहां साइबर हमले, दुष्प्रचार अभियान और आर्थिक युद्ध ऐसे साधन बन गए हैं, जिनसे एक भी गोली चलाए बिना राजनीतिक-सैन्य लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी सीमाओं पर लगातार खतरों का सामना करना पड़ रहा है। पड़ोसी देशों से उत्पन्न छद्म युद्ध और आतंकवाद की चुनौती से ये और भी जटिल हो गए हैं।

राजनाथ सिंह ने प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन जैसे गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों के अलावा पश्चिम एशिया में संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनावों के समग्र सुरक्षा परिदृश्य पर पडऩे वाले प्रभाव के बारे में भी बात की। उन्होंने भविष्य के युद्धों के लिए सक्षम और प्रासंगिक बने रहने के लिए सशस्त्र बलों के परिवर्तन को सख्ती से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण दो आधारभूत स्तंभों - सुरक्षित भारत और सशक्त भारत पर मजबूती से टिका हुआ है। रक्षा मंत्री ने आत्मनिर्भरता के माध्यम से सशस्त्र बलों के विकास और आधुनिकीकरण पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, चल रहे संघर्षों के सबक हमें सिखाते हैं कि एक सुदृढ़, स्वदेशी और भविष्य के लिए तैयार रक्षा प्रौद्योगिकी और विनिर्माण इकोसिस्टम का निर्माण एक विकल्प नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता है। कम लागत वाले उच्च तकनीक समाधान विकसित करने और सशस्त्र बलों की युद्ध क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता है। हमारी सेनाओं को न केवल तकनीकी परिवर्तनों के साथ समन्वय रखना चाहिए, बल्कि इसका नेतृत्व भी करना चाहिए।

उन्होंने कहा, देशों और लोगों के बीच बढ़ती संपर्कता और निर्भरता का अर्थ है कि चुनौतियों का सामना व्यक्तिगत रूप से करने की तुलना में एक साथ मिलकर करना बेहतर है। पारस्परिक हित और तालमेल हमें उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और यहां तक कि वैश्विक स्तर पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेंगे।

देश विदेश के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से राजनाथ सिंह ने कहा, युद्ध सेनानियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के रक्षकों के रूप में, आपको पर्यावरण और इसके प्रभावों के बारे में जागरूक रहने की आवश्यकता है। आपको भविष्य के लीडर्स होने के लिए आवश्यक क्षमता और कौशल हासिल करना चाहिए। आपको प्रमुख गुणों के रूप में अनुकूलनशीलता और दक्षता को अपनाना चाहिए। कल के युद्ध के मैदान में ऐसे लीडर्स की आवश्यकता होगी जो अप्रत्याशित परिस्थितियों के अनुकूल हो सकें, अपने लाभ के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सकें और अभिनव समाधान निकाल सकें। आपको अपने संबंधित सशस्त्र बलों का दूत बनना चाहिए। परिवर्तन के दूत बनें और बड़े पैमाने पर समाज के बीच आदर्श रोल मॉडल बनें।

सैफ अली खान हमला मामला : मुंबई पुलिस ने किया आरोपी शरीफुल इस्लाम की जमानत याचिका का विरोध

मुंबई । आरएनएस

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद ने मुंबई के सेशन कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की है। हालांकि, मुंबई पुलिस ने आरोपी की जमानत याचिका का विरोध किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी। मुंबई पुलिस ने आरोपी की तरफ से दाखिल की गई जमानत याचिका मामले में अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया। उन्होंने कहा कि जिस चाकू से सैफ अली खान पर हमला किया गया था, फोरेंसिक जांच में चाकू के तीनों टुकड़े मेल खाते पाए गए हैं।

पुलिस का कहना है कि यह आरोपी के खिलाफ महत्वपूर्ण सबूत है। अगर आरोपी को जमानत दी गई तो उसके फरार होने की संभावना है, इसलिए शरीफुल की जमानत अर्जी मंजूर न की जाए।

बता दें कि आरोपी शरीफुल ने अपनी जमानत याचिका में दावा किया कि उसे झूठे मामले में फंसाया गया है और पुलिस के पास कोई मजबूत सबूत नहीं है। इतना ही नहीं, एफआईआर में कई खामियां भी हैं।

इससे पहले मंगलवार को बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने बांद्रा कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। यह चार्जशीट एक हजार से अधिक पन्नों की है और इसमें कई महत्वपूर्ण साक्ष्य पेश किए गए हैं, जो जांच के दौरान आरोपी शरीफुल इस्लाम के खिलाफ प्राप्त हुए थे।

स्पेशल डिजाइंड वंदे भारत ट्रेन में बैठकर देख सकेंग बर्फीली वादियों का नाजारा

नई दिल्ली । आरएनएस

हल्की ठंडक और वसंत की खिलती बहार... हिमालय की बर्फीली चोटियाँ, सेब के पेड़ों पर गुलाबी फूलों की चादर, और मैदानों की हरी घास — यह सब अब सिर्फ कल्पना नहीं रहेगा। क्योंकि अब जल्द ही, यह सब आप अपनी आंखों के सामने, जम्मू कश्मीर के लिए स्पेशल डिजाइंड वंदे भारत ट्रेन में बैठकर देख सकेंगे। जैसे ही ट्रेन पहलगाम की घाटियों से गुजरेगी, हरियाली से सजी वादियाँ, दूर तक फैले चीड़ के जंगल और चरवाहों की झलक आपको एक लम्हे में रोक देंगे। देवदार की खामोशी को चीरती वंदे भारत की रफ्तार — तकनीक और प्रकृति का अद्भुत संगम जल्द ही आपको देखने को मिलेगा।

इंजीनियरिंग का कमाल- "मेक इन इंडिया" के तहत इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में बनी यह ट्रेन आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस है, जो बिजली सी चलती है। मगर सुरक्षित और आरामदायक सफर की मिसाल है। इसका सफर हर भारतीय को गर्व से भर देगा।

क्यों खास है कश्मीर वाली वंदे भारत?- यह वंदे भारत एक्सप्रेस विश्वसनीयता, सुरक्षा और यात्रियों के आराम को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक एवं उन्नत सुविधाओं से युक्त है। इस वंदे भारत ट्रेन को कश्मीर घाटी की कठिन जलवायु परिस्थितियों में सुगम यात्रा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। जिससे अब हर मौसम में कश्मीर घाटी तक पहुंचना आसान होगा और वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत, क्षेत्र में यात्री सेवाएँ एवं पर्यटन अनुभव बेहतर बनाएगी।

ज़ीरो से नीचे तापमान, फिर भी कनेक्टिविटी बरकरार

जम्मू-कश्मीर जैसे सर्द मौसम वाले क्षेत्र में सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में विशेष तकनीकी सुविधाएँ प्रदान की गई हैं:

सिलिकॉन हीटिंग पैड: यह वॉटर और बायो-टॉयलेट टैंकों में पानी को जमने से रोकेंगे। साथ ही, इनमें ओवरहीट प्रोटेक्शन सेंसर लगे हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि शून्य या माइनस तापमान में भी रेल संचालन सुचारू रूप से हो।

हीटेड प्लंबिंग पाइपलाइन: जीरो डिग्री से भी कम तापमान में सेल्फ-रेगुलेटेड हीटिंग केबल्स पानी को जमने से रोकेंगे।

ऑटो-ड्रेनिंग मैकेनिज्म: प्लंबिंग लाइनों में पानी के जमने की समस्या को रोकेगा, जिससे संचालन में कोई बाधा नहीं आएगी।

यात्रा होगी सुगम और सुरक्षित

कश्मीर की कठिन परिस्थितियों में ड्राइवर की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे सुगम यात्रा संभव होगी:

एंबेडेड हीटिंग एलिमेंट: फ्रंट लुकआउट ग्लास में लगाए गए यह एलीमेंट सर्द मौसम में विंडशील्ड को डी-फ्रॉस्ट कर ड्राइवर को क्लियर विजन प्रदान करेंगे, जिससे सुरक्षित व सुगम ट्रेन संचालन हो सकेगा।

एंटी-स्पॉल लेयर: बर्फबारी या आंधी जैसे कठिन मौसम के दौरान यह लेयर ड्राइवर को सुरक्षित ट्रेन के संचालन में सहायता करेगा।

सुरक्षित और आरामदायक वर्क एनवायरनमेंट: ट्रेन को कठिन मौसम परिस्थितियों से निपटने के लिए स्पेशल रूप से डिज़ाइन किया गया है।

भारतीय रेल की न्यू-एज टेक्नोलॉजी

इस वंदे भारत ट्रेन के सुचारू संचालन और यात्रियों के आराम के लिए कई तकनीकी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं:

एयर ड्रायर सिस्टम हीटिंग: अत्याधिक ठंड में एयर ब्रेक सिस्टम की दक्षता बनाए रखेगा। साथ ही, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग डक्ट्स द्वारा यात्रियों की आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की गई है ।

ट्रांसफॉर्मर: ट्रेन के महत्वपूर्ण घटकों के सुचारू संचालन और ठंडे मौसम में उनकी दक्षता बनाए रखने के लिए इसे अंडरफ्रेम में विशेष रूप से स्थापित किया गया है।

पूर्ण वातानुकूलित कोच: सेमी-हाई-स्पीड क्षमताओं (160 किमी प्रति घंटे) से लैस होंगे, जिससे तीव्र और समयबद्ध यात्रा संभव होगी।

आधुनिक सुविधाएँ: चौड़े गैंगवे, स्वचालित प्लग डोर, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी जैसी सुविधाएँ यात्रियों के अनुभव को सुगम बनाएंगी।

यात्रा में विकास का अनुभव

कश्मीर घाटी में वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत रेल यात्रा में एक ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह सेवा सभी मौसमों में निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी, जो बर्फबारी, कठोर ठंड और कठिन पर्वतीय चुनौतियों को पार कर सुगम यात्रा का भरोसा दिलाती है। आधुनिक सुविधाओं और जलवायु-विशिष्ट अनुकूलन के साथ, यह ट्रेन यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करेगी। कश्मीर घाटी को सम्पूर्ण देश से अभूतपूर्व रूप से जोडऩे के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस भौगोलिक और आर्थिक अंतर को भी समाप्त करेगी।